याद की मेहनत कर होना पापों से मुक्त

अपने को आत्मा जान करना बाप को याद

आबू है महान तीर्थ सर्व की सद्गति का स्थान

सदगति दाता बाप और ब्रह्मा(आदम) बैठ यहाँ

से ही देते सारे दूनियाँ को सद्गति

आदम अर्थात आदमी वह देवता नही न है भगवान्

वापस घर चलना तो करना देह-अभिमान का त्याग

आत्मा भाई-भाई की दृष्टि का करना अभ्यास

पुण्य आत्मा बनने की मेहनत करनी याद से

बुद्धि को करना खाली,अच्छा बुरा सब करना बाप हवाले

अलबेलेपन को छोड़,फरमान पर है चलना

होगी तभी व्यर्थ और विकारी स्वप्नों से मुक्ति

सच्ची सेवा करने से ही आशीर्वाद मिलती

मेरा बाबा

ॐ शांति!!!